the liberalisation of the economy. The outlay for rural development in 1992-93 was Rs. 3100 crores which has been increased substantially to Rs. 5010 crores in 1993-94.

In addition to the poverty alleviation programme the Eighth Plan aims at generating greater employment by concentrating on sectors with high employment potential.

चन्दन तेल उद्योग को पेश आ रही कठिनाइयां

*69. श्री शंकर दयाल सिंह :

श्री सोम पाल :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को कन्नौज के चन्दन तेल उद्योग को पेश आ रही कठिनाइयों का ज्ञान है,

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है,

(ग) इन कठिनाइयों को दूर करने के लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं

(घ) क्या सरकार इस उद्योग को पेश आ रही कठिनाइयों का जायजा लेने हेतु एक केन्द्रीय दल भेजने का विचार रखते हैं, और

(ङ) यदि हां, तो कब तक ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो) : (क) से (ङ) विकास आयुक्त, लघु उद्योग का कार्यालय (डी एस एस ओ ई) को कन्नौज में चन्दन का तेल बनाने वाली लघु उद्योग इकाईयों से अभ्यावेदन प्राप्त होते रहे हैं, जिसमें कहा गया है कि तमिलनाडु सरकार (वन विभाग) ने कुछ समय से विशेषकर तिरूवत्तूर (नार्थ अरकोट) और सलेम तथा सत्यमंगलम (जिला पेरियार) स्थित अपने डिपुओं में चन्दन की लकड़ी की नीलामी बन्द कर दी है। इसके परिणामस्वरूप कन्नौज सहित देश के विभिन्न भागों में चन्दन की लकड़ी की कमी हो गई है। डीसीएसएसआई कार्यालय ने यह जानने के लिए पहले ही राज्य सरकार से अनुरोध किया है कि चन्दन की लकड़ी की नीलामी कब तक शुरू किए जाने की संभावना है। डीसीएसएसआई ने चन्दन क. लकड़ी की उपलब्धता में सुधार लाने के लिए बार-बार नीलामी को बहाल करने पर विचार करने का भी राज्य सरकार से अनुरोध किया है। ताकि चन्दन तेल और इत्र बनाने वाली लघु इकाईयों को नुकसान न हो।

इसके अतिरिक्त, भारतीय इत्र संघ, कन्नौज ने अभ्यावेदन दिया है कि चन्दन के तेल पर लगे उत्पादन शुल्क ने उद्योग पर बुरा असर डाला है, क्योंकि इत्र बनाने में चन्दन का तेल एक महत्वपूर्ण आधार है जिसका इत्र के निर्माण में प्रयोग किया जाता है।

Appointment of Presenting Officers

*70. SHRIMATI SARALA MAHESHWARI : Will the PRIME MINISTER be pleased to refer to the replies given in the Rajya Sabha to the Unstarred Question Nos. 4598 dated 20-8-92 and 2926 dated 18-3-93 and state :

(a) the reasons/circumstances under which the technical flaw was caused and which the management of IDPL realised after enquiry proceedings were started;

(b) whether it is a fact that the said flaw was pointed out before the proceedings were started but no action was taken on that, if so, the reasons therefor;

(c) whether IDPL had appointed the General Manager (Production) as disciplinary authority in order to gain time on such serious matters, when General Manager (Sales) was available at that time; and

(d) what were the charges listed in the show cause notice of 1-6-90 and those listed in the charge-sheet of dated 21-5-90 as referred to in reply to part (e) and (f) of the referred Question No. 4598 dated 20-8-92 ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI EDUARDO